बरेली, सोमवार
27 मार्च, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

Page No. 04 : Bottom

जीने के लिए जरूरी है जिंदगी को खूबसूरत समझना

जासं, बरेली: एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को रोमांटिक प्ले में खूबसूरत हूं का मंचन रंगकर्मियों ने किया। यशपाल की कहानी पर आधारित, अख्तर अली के नाट्य आलेख पर रिद्धिमा प्रोडक्शन से प्रस्तुत इस नाटक को शैलेंद्र शर्मा ने निर्देशित किया। कहानी की शुरुआत अस्पताल के एक कमरे से होती हैं। जहां एक लड़की सुगंधा भर्ती है। वह जीना नहीं चाहती पर डाक्टर उसे बचाने में पूरी ताकत लगा देते हैं। सुगंधा के साथ उसके दूर के मामा भी अस्पताल में है। उसके वार्ड में एक और मरीज उमंग भर्ती होता है। उमंग जिंदगी को जीना बहुत अच्छी तरह से जानता है। उसे फोटोग्राफी का भी शौक है। वह सुगंधा के भी फोटो लेता है। उमंग से मिलने के बाद सुगंधा का मन बदलता है। वह ठीक हो जाती है। एक दिन उमंग उससे अगले दिन मिलने का वादा कर नहीं लौटता है। सुगंधा को पता चलता है कि वह उमंग था ही नहीं, तो वो उदास हो जाती है और यहीं नाटक समाप्त हो जाता है। नाटक में शाजिन ने सुगंधा, सूर्यप्रकाश ने उमंग, मोहसिन खान ने डाक्टर का किरदार निभाया। एसआरएमएस ट्रस्ट के सचिव आदित्य मूर्ति, आशा मूर्ति, इंजीनियर सुभाष मेहरा रहे।